बिहार सरकार
पर्यटन विभाग
प्रथम तल, बी0 ब्लॉक, एक्सटेंशन भवन, मुख्य सचिवालय, पटना।
Email- js. bihartourism@gmail.com, website: www.bihartourism.gov.in

संचिका संख्या०– पर्य०वि०प०(ता०)– 25 / 2023.1627 दिनांक 10-7-2023

प्रेषक,

उप निदेशक,
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना।

सेवा में,

सचिव,
परिवहन विभाग, बिहार, पटना।

विषयः– श्री महेश्वर सिंह, माननीय स०वि०प० द्वारा बिहार विधान परिषद् के 204वें सत्र में पूछे जाने वाले तारांकित ऑनलाईन प्रश्न संख्या– 1 / 204 / 38 को हस्तांतरित करने के संबंध में।

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि श्री महेश्वर सिंह, माननीय स०वि०प० द्वारा बिहार विधान परिषद् के 204वें सत्र में पूछा जाने वाला तारांकित प्रश्न राज्य परिवहन निगम, पटना में तैनात पदाधिकारियों द्वारा किये गये व्यय से संबंधित है। इस विषय का संबंध भवदीय के विभाग से है।

अतः उक्त प्रश्न को आवश्यक कार्रवाई हेतु हस्तांतरित किया जा रहा है। इस आशय की सूचना बिहार विधान परिषद् को भी दी जा रही है।

सादर।

अनु०– यथोक्त।

विश्वासभाजन,

उप निदेशक,
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना।

Bihar Vidhan Parishad Question

1/204/38

दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई कबतक

21/06/2023 21/06/2023

*1/204/38 श्री महेश्वर सिंह(पूर्वी चम्पारण स्थानीय प्राधिकार)

पर्यटन

(क) क्या यह सही है कि आठ करोड़ रुपया खर्च करने के बावजूद परिवहन विभाग को दिसम्बर, 2015/ जनवरी, 2016 में धर्मकांटा सुपुर्द करने के बावजूद उसे 2019 तक कार्यशील नहीं किया जा सका;

(ख) क्या यह सही है कि जिन पदाधिकारियों का पदस्थापन मूल रूप से धर्मकांटा स्थल के लिए हुआ था, किंतु उनकी तैनाती राज्य परिवहन निगम/जिला परिवहन कार्यालय, पटना में किया गया था, के वेतन एवं भतों के भुगतान के रूप में 75 करोड़ 98 लाख का व्यय किया गया;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सी.ए.जी. के प्रतिवेदन (वर्ष 2021) में पाए गए 75 करोड़ 98 लाख रुपयों की बर्बादी के लिए कौन-कौन पदाधिकारी जिम्मेदार हैं और उनसे राशि की वसूली की गई थी या नहीं तथा भविष्य में ऐसा ना हो, इसके लिए सरकार क्या सावधानी बरतना चाहती है ?